

यूहन्नाक पहिल पत्र

जीवनक वचन

1 जे शुरू सँ छल, जे हम सभ सुनने छी, जे हम सभ अपना आँखि सँ देखने छी, जे हम सभ ध्यानपूर्वक देखने छी और हाथ सँ छुने छी, अर्थात् ओ वचन जे जीवन अछि, से हमरा सभक विषय अछि। ²ई जीवन प्रगट भऽ गेल, हम सभ एकरा देखलहुँ, और एकरा बारे मे गवाही दैत हम सभ अहाँ सभक सामने ई जीवन प्रस्तुत करैत छी जे अनन्त अछि, जे पिताक संग छल और जे हमरा सभक सामने प्रगट कयल गेल। ³हम सभ जे देखलहुँ आ सुनलहुँ, से अहाँ सभ कें कहि रहल छी, जाहि सँ अहूँ सभ कें हमरा सभक संग संगति होयत। हमरा सभक संगति पिताक संग और हुनकर पुत्र यीशु मसीहक संग अछि। ⁴ई बात हम सभ एहि लेल लिखैत छी जाहि सँ हमरा सभक आनन्द पूर्ण होअय।

इजोत मे चली

5जे सम्बाद हम सभ हुनका सँ सुनलहुँ और अहाँ सभ कें सुनबैत छी से यह अछि—परमेश्वर इजोत छथि। हुनका मे एको रती अन्हार नहि छनि। ⁶जँ अपना सभ कहैत छी जे हुनका संग हमर संगति अछि

जखन कि अन्हारे मे चलि रहल छी तँ भूठ बजैत छी और सत्यक अनुसार आचरण नहि करैत छी। ⁷मुदा जँ इजोत मे चलैत छी, जेना ओ इजोत मे छथि, तँ अपना सभ कें एक-दोसराक संग संगति होइत अछि, और हुनकर पुत्र यीशुक खून अपना सभ कें सभ पाप सँ शुद्ध करैत अछि।

8जँ अपना सभ कहैत छी जे हमरा मे कोनो पाप नहि अछि तँ अपना कें धोखा दैत छी और अपना सभ मे सत्य नहि अछि। ⁹मुदा जँ अपना सभ अपन पाप कें मानि लेब तँ ओ जे विश्वासयोग्य और न्यायी छथि अपना सभ कें पापक क्षमा करताह और अपना सभ कें सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह। ¹⁰जँ अपना सभ कहैत छी जे हम पाप नहि कयने छी तँ परमेश्वर कें भुट्टा ठहरबैत छी, और हुनका वचन कें अपना जीवन मे कोनो स्थान नहि दैत छी।

2यौ बौआ सभ, हम अहाँ सभ कें ई बात एहि लेल लिखि रहल छी जे अहाँ सभ पाप नहि करी। मुदा जँ केओ पाप करय तँ अपना सभ कें एक गोटे छथि जे पिता लग अपना सभक पक्ष मे विनती करैत छथि, अर्थात् यीशु मसीह, जे धार्मिक छथि। ²यीशु मसीह स्वयं ओ बलि छथि जिनका द्वारा अपना सभक पापक प्रायश्चित्त कयल गेल, और मात्र

अपना सभक पापक नहि, बल्कि सौंसे संसारक सेहो।

3 अपना सभ हुनका चिन्हैत छियनि से तखने जानि सकैत छी जखन हुनकर आज्ञाक पालन करैत छियनि। ⁴जे केओ कहैत अछि जे, हम हुनका चिन्हैत छियनि, मुदा हुनकर आज्ञाक पालन नहि करैत अछि, से भुट्टा अछि और ओकरा मे सत्य नहि छैक। ⁵मुदा जे केओ हुनकर वचनक अनुसार चलैत अछि, तकरा मे परमेश्वरक प्रति ओकर प्रेम* पूर्ण रूप सँ सिद्ध कयल गेल छैक। अपना सभ एहि सँ निश्चय जानि सकैत छी जे हुनका मे छी— ⁶जे केओ कहैत अछि जे, हम परमेश्वर मे रहैत छी, तकरा ओहने जीवन व्यतीत करबाक छैक जेहन यीशु व्यतीत कयलनि।

7 प्रिय मित्र सभ, हम अहाँ सभ केँ कोनो नव आज्ञा नहि लिखि रहल छी। ई पुरान आज्ञा अछि, जे शुरूए सँ अहाँ सभक संग अछि। ई पुरान आज्ञा ओ वचन अछि जे अहाँ सभ सुनने छी। ⁸तैयो जे आज्ञा लिखि रहल छी से नवे अछि। ओ हुनका जीवन मे और अहाँ सभक जीवन मे सत्य प्रमाणित भेल अछि, कारण अन्हार दूर भऽ रहल अछि और वास्तविक इजोत एखने सँ चमकि रहल अछि।

9 जे केओ कहैत अछि जे, हम इजोत मे छी, मुदा अपना भाय सँ घृणा करैत अछि, से एखनो अन्हारे मे अछि। ¹⁰जे केओ अपना भाय सँ प्रेम करैत अछि, से इजोत मे रहैत अछि, और ओकरा मे कोनो कारण नहि छैक जाहि सँ ठेस लगतैक। ¹¹मुदा जे अपना भाय सँ घृणा करैत अछि से अन्हार मे अछि और अन्हारे मे चलैत

अछि। ओ नहि जनैत अछि जे हम कतऽ जा रहल छी किएक तँ अन्हार ओकरा अन्हार बना देने छैक।

12 प्रिय बौआ सभ, हम अहाँ सभ केँ ई बात एहि लेल लिखि रहल छी जे प्रभु यीशु मसीह द्वारा* अहाँ सभक पाप माफ भऽ गेल अछि।

13 यौ पिता लोकनि, हम अहाँ सभ केँ ई बात एहि लेल लिखि रहल छी जे अहाँ सभ तिनका जानि गेल छी जे शुरू सँ छथि।

युवक सभ, हम अहाँ सभ केँ ई बात एहि लेल लिखि रहल छी जे अहाँ सभ दुष्ट शैतान केँ पराजित कयने छी।

प्रिय बौआ सभ, हम अहाँ सभ केँ एहि लेल लिखने छी जे अहाँ सभ पिता केँ जानि गेल छी।

14 यौ पिता लोकनि, हम अहाँ सभ केँ एहि लेल लिखने छी जे अहाँ सभ तिनका जानि गेल छी जे शुरू सँ छथि।

युवक सभ, हम अहाँ सभ केँ एहि लेल लिखने छी जे अहाँ सभ बलवन्त छी, और परमेश्वरक वचन अहाँ सभ मे रहैत अछि, और अहाँ सभ दुष्ट शैतान केँ पराजित कयने छी।

संसार सँ प्रेम नहि करू

15 संसार सँ प्रेम नहि करू, और ने संसारक वस्तु सँ। जँ केओ संसार सँ प्रेम करैत अछि, तँ ओकरा मे पिताक प्रति प्रेम नहि छैक। ¹⁶कारण, जे किछु संसार मे छैक, अर्थात् मनुष्यक पापी स्वभावक इच्छा, ओकर आँखिक लालसा और धन-सम्पत्ति पर ओकर घमण्ड, से पिताक दिस सँ नहि, बल्कि संसारक दिस सँ

2:5 वा, “परमेश्वरक प्रेम” 2:12 वा, “प्रभु यीशु मसीहक कारणेँ”

अबैत अछि। 17 संसार और जाहि कोनो बातक लेल ओकर इच्छा होइत छैक, से सभ समाप्त भऽ रहल अछि, मुदा जे व्यक्ति परमेश्वरक इच्छा पर चलैत अछि, से सदा-सर्वदा जीबैत रहत।

“मसीह-विरोधी” सँ सावधान

18 प्रिय बौआ सभ, ई आब अन्तिम घड़ी अछि। अहाँ सभ सुनि लेने छी जे “मसीह-विरोधी” आबऽ वला अछि, और तहिना एखनो बहुत “मसीह-विरोधी” प्रगट भऽ गेल अछि। एहि सँ अपना सभ जानि सकैत छी जे ई अन्तिम घड़ी अछि। 19 ओ सभ अपना सभ मे सँ निकलि गेल, मुदा वास्तव मे ओ सभ अपना सभक लोक नहि छल। जँ अपना सभक रहैत तँ अपना सभक संग रहले रहैत। मुदा ओकरा सभ कें चलि गेला सँ ई स्पष्ट होइत अछि जे ओकरा सभ मे सँ केओ वास्तव मे अपना सभक नहि छल।

20 मुदा ओ जे पवित्र छथि, से अहाँ सभ कें अपन आत्मा देने छथि*, और अहाँ सभ गोटे सत्य कें जनैत छी*। 21 तँ हम अहाँ सभ कें एहि लेल नहि लिखि रहल छी जे अहाँ सभ सत्य कें नहि जनैत छी, बल्कि एहि लेल जे अहाँ सभ सत्य कें जनिते छी, और इहो जनैत छी जे कोनो भूठ सत्य सँ उत्पन्न नहि होइत अछि। 22 और भुट्टा के अछि? ओ वैह अछि जे एहि बात कें अस्वीकार करैत अछि जे यीशु उद्धारकर्ता-मसीह छथि। ओहन

आदमी “मसीह-विरोधी” अछि। ओ पितो कें और पुत्रो कें अस्वीकार करैत अछि। 23 जे केओ पुत्र कें अस्वीकार करैत अछि, तकरा लग पितो नहि छथिन। जे केओ पुत्र कें स्वीकार करैत अछि, तकरा लग पितो छथिन।

24 अहाँ सभ, जे बात शुरू मे सुनलहुँ, तकरा अपना मोन मे वास करऽ दिअ। जँ ओ अहाँ सभक मोन मे वास करत, तँ अहाँ सभ पुत्र मे और पिता मे वास करब। 25 और ओ अपना सभ कें जे बात प्रदान करबाक वचन देने छथि, से अछि अनन्त जीवन।

26 हम अहाँ सभ कें ई सभ बात तकरा सभक बारे मे लिखि रहल छी जे सभ अहाँ सभ कें बहकाबऽ चाहैत अछि। 27 मुदा जे पवित्र आत्मा अहाँ सभ कें मसीह प्रदान कयलनि, से अहाँ सभ मे वास करैत छथि, और तँ अहाँ सभ कें आरो शिक्षकक कोनो आवश्यकता नहि अछि। कारण, हुनकर आत्मा अहाँ सभ कें सभ बात सिखबैत छथि, और ओ आत्मा सत्य छथि, ओ भुट्टा नहि छथि। जेना ओ अहाँ सभ कें मसीह मे बनल रहबाक लेल सिखौने छथि तहिना हुनका मे बनल रहू।*

परमेश्वरक सन्तान

28 हँ, बौआ सभ, मसीह मे रहू, जाहि सँ ओ जहिया प्रगट होयताह तहिया अपना सभ स्थिर रहब और हुनकर आगमनक समय मे हुनका सँ मुँह नहि घुमाबऽ पड़त।

2:20 अक्षरशः “मुदा ओ जे पवित्र छथि, तिनका दिस सँ अहाँ सभ कें एक अभिषेक प्राप्त भेल अछि।”

2:20 किछु हस्तलेख मे, “अहाँ सभ गोटे सत्य कें जनैत छी”—ताहि स्थान मे ई पाओल जाइत अछि, “सभ बात अहाँ सभ जनैत छी।” 2:27 अक्षरशः “मुदा जे अभिषेक अहाँ सभ हुनका सँ प्राप्त कयलहुँ, से अहाँ सभ मे रहैत अछि। और अहाँ सभ कें शिक्षकक कोनो आवश्यकता नहि अछि। ओ अभिषेक अहाँ सभ कें सभ बात सिखबैत अछि, और ओ सत्य अछि, ओ भूठ नहि अछि। जेना ओ अहाँ सभ कें हुनका मे बनल रहबाक लेल सिखौने अछि, तहिना हुनका मे बनल रहू।”

29 अहाँ सभ जनैत छी जे ओ धार्मिक छथि, तँ इहो जानि लिअ जे, जे केओ धार्मिकताक आचरण करैत अछि, से परमेश्वरक सन्तान अछि।

3 सोचू! पिता अपना सभ सँ कतेकटा प्रेम कयने छथि, जे अपना सभ परमेश्वरक सन्तान कहाबी! और वास्तव मे सैह छीहो। संसार अपना सभ केँ नहि चिन्हैत अछि, से एहि कारणेँ जे हुनको नहि चिन्हलकनि।² प्रिय मित्र सभ, अपना सभ एखन परमेश्वरक सन्तान छी। और भविष्य मे की होयब, से एखन तक प्रगट नहि कयल गेल अछि। मुदा ई जनैत छी जे, मसीह जखन फेर औताह तखन अपना सभ हुनके जकाँ होयब, कारण हुनका ठीक ओहने देखबनि जेहन ओ छथि।³ जकरा हुनका सँ ई आशा छैक, से अपना केँ पवित्र रखैत अछि जेना ओ पवित्र छथि।

4 जे केओ पाप करैत अछि से परमेश्वरक नियमक उल्लंघन करैत अछि, कारण पाप सैह अछि, अर्थात् परमेश्वरक नियमक उल्लंघन कयनाइ।⁵ मुदा अहाँ सभ जनैत छी जे मसीह पाप दूर करबाक लेल अयलाह, और हुनका मे कोनो पाप नहि छनि।⁶ जे हुनका मे वास करैत अछि, से पाप नहि करैत रहैत अछि। जे पाप करैत रहैत अछि, से ने हुनका देखने छनि आ ने हुनका चिन्हने छनि।

7 यौ बौआ सभ! एहि विषय मे अहाँ सभ केँ केओ बहकाबओ नहि! जे केओ धार्मिकताक आचरण करैत रहैत अछि, सैह धार्मिक अछि जेना यीशु मसीह धार्मिक छथि।⁸ और जे केओ पापक आचरण करैत रहैत अछि, से शैतानक सन्तान अछि, कारण शैतान शुरुए सँ पाप करैत आयल अछि। परमेश्वरक पुत्र एहि लेल संसार मे

अयलाह जे ओ शैतानक काज नष्ट करथि।⁹ जे केओ वास्तव मे परमेश्वरक सन्तान अछि से पाप नहि करैत रहत, कारण परमेश्वरक स्वभाव ओकरा मे रहैत छैक। ओ पापक आचरण नहि कऽ सकैत अछि, कारण ओ परमेश्वरक सन्तान भऽ गेल अछि।¹⁰ एही प्रकारेँ अपना सभ चिन्हि सकब जे परमेश्वरक सन्तान के अछि और शैतानक सन्तान के अछि—जे धार्मिकताक आचरण नहि करैत अछि से परमेश्वरक सन्तान नहि अछि, आ ने ओ जे अपना भाय सँ प्रेम नहि करैत अछि।

एक-दोसर सँ प्रेम करी

11 जे सम्बाद अहाँ सभ शुरू सँ सुनने छी, से यह अछि—अपना सभ एक-दोसर सँ प्रेम करी।¹² काइन जकाँ नहि बनू, जे शैतानक छल और अपन भायक हत्या कयलक। ओ भायक हत्या किएक कयलक? एहि लेल, जे ओकर अपन काज अधलाह छलैक और ओकर भायक नीक छलैक।¹³ यौ भाइ सभ, जँ संसार अहाँ सभ सँ घृणा करैत अछि तँ एहि सँ आश्चर्यित नहि होउ।¹⁴ अपना सभ जनैत छी जे मृत्यु मे सँ निकलि कऽ जीवन मे पहुँचि गेल छी, कारण अपना भाय सभ सँ प्रेम करैत छी। जे केओ प्रेम नहि करैत अछि, से मृत्यु मे रहैत अछि।¹⁵ जे अपना भाय सँ घृणा करैत अछि से हत्यारा अछि और अहाँ सभ जनैत छी जे कोनो हत्यारा मे अनन्त जीवन वास नहि करैत छैक।

16 प्रेम की अछि, से अपना सभ एहि सँ जनैत छी, जे प्रभु यीशु मसीह अपना सभक लेल अपन प्राण देलनि। और अपना सभ केँ सेहो अपन भाय सभक लेल अपन प्राण देबाक चाही।¹⁷ जँ ककरो संसारक

सम्पत्ति छैक, और ओ अपना भाय कें आवश्यकता मे देखैत छैक, मुदा ओकरा प्रति अपन हृदय कठोर कऽ लैत अछि, तँ ओकरा मे परमेश्वरक प्रेम कोना रहि सकैत छैक? ¹⁸प्रिय बौआ सभ, अपना सभ खाली शब्द वा बात द्वारा प्रेम नहि करी, बल्कि शुद्ध मोन सँ और काज द्वारा करी। ¹⁹⁻²⁰तँ एहि प्रकारें अपना सभ जानि जायब जे अपना सभ सत्यक सन्तान छी। और एहि प्रकारें जखन-जखन अपना सभक मोन अपना सभ कें दोषी ठहराओत, तखन-तखन अपना सभ अपन मोन कें हुनका सामने शान्त कऽ सकब। कारण परमेश्वर अपना सभक मोन सँ पैघ छथि, और ओ सभ किछु जनैत छथि।

21 प्रिय मित्र सभ, जँ अपना सभक मोन अपना सभ कें दोषी नहि ठहरबैत अछि, तँ अपना सभ परमेश्वरक सामने साहस सँ आबि सकैत छी, ²²और जे किछु हुनका सँ माँगबनि से प्राप्त करब, किएक तँ हुनकर आज्ञाक पालन करैत छियनि और वैह करैत छी जे हुनका प्रिय छनि। ²³हुनकर आज्ञा ई अछि जे अपना सभ हुनकर पुत्र यीशु मसीह पर विश्वास करी, और जहिना ओ अपना सभ कें आदेश देलनि तहिना एक-दोसर सँ प्रेम करी। ²⁴जे केओ हुनकर आज्ञा सभक पालन करैत अछि, से हुनका मे रहैत अछि और ओ तकरा मे। ओ अपना सभ मे वास करैत छथि, से अपना सभ ओहि आत्मा द्वारा जनैत छी जे ओ अपना सभ कें देने छथि।

सत्यक आत्मा आ भूठक आत्मा

4 प्रिय मित्र सभ, ताहि सभ लोकक विश्वास नहि करू जे कहैत अछि जे हमरा मे परमेश्वरक आत्मा छथि,

बल्कि ओकरा सभक जाँच करू, ई बुभुक्क लेल जे ओकरा मे जे आत्मा छैक, से परमेश्वरक दिस सँ अछि वा नहि। किएक तँ बहुतो लोक संसार मे निकलि गेल अछि जे भूठ बाजि कऽ अपना कें परमेश्वरक प्रवक्ता कहैत अछि। ²परमेश्वरक आत्मा कें अहाँ सभ एहि तरहें चिन्हि सकैत छी—जे केओ स्वीकार करैत अछि जे यीशु मसीह मनुष्य बनि कऽ अयलाह, तकरा मे परमेश्वरक आत्मा छथि। ³मुदा जे केओ यीशु कें एहि तरहें स्वीकार नहि करैत अछि, तकरा मे जे आत्मा अछि, से परमेश्वरक दिस सँ नहि अछि। ओकरा मे “मसीह-विरोधी”क आत्मा अछि, जकरा बारे मे अहाँ सभ सुनने छलहुँ जे आबऽ वला अछि, और एखनो ओ संसार मे आबि गेल अछि।

4 प्रिय बौआ सभ, अहाँ सभ ओहि भुट्टा शिक्षक सभ पर विजयी भऽ गेल छी, कारण अहाँ सभ परमेश्वरक छी, और जे अहाँ सभ मे छथि, से तकरा सँ शक्तिशाली छथि जे संसार मे अछि। ⁵ओ सभ संसारक अछि आ तँ संसारेक बात कहैत अछि, और संसार ओकरा सभक बात सुनैत छैक। ⁶मुदा अपना सभ परमेश्वरक छी, और जे केओ परमेश्वर कें चिन्हैत छनि, से अपना सभक सुनैत अछि। मुदा जे केओ परमेश्वरक नहि अछि से अपना सभक नहि सुनैत अछि। एहि सँ अपना सभ सत्यक आत्मा और भूठक आत्मा चिन्हि सकैत छी।

प्रेम की अछि?

7 प्रिय मित्र सभ, अपना सभ एक-दोसर सँ प्रेम करी, किएक तँ प्रेम परमेश्वर सँ उत्पन्न होइत अछि। जे प्रेम करैत अछि,

से परमेश्वरक सन्तान अछि और परमेश्वर केँ चिन्हैत अछि।⁸जे प्रेम नहि करैत अछि, से परमेश्वर केँ नहि चिन्हैत अछि, किएक तँ परमेश्वर प्रेम छथि।⁹परमेश्वर अपन प्रेम अपना सभक बीच एहि प्रकारेँ प्रगट कयलनि—ओ अपन एकलौता पुत्र केँ संसार मे पठा देलनि जाहि सँ अपना सभ हुनका द्वारा जीवन प्राप्त करी।¹⁰प्रेमक अर्थ ई नहि, जे अपना सभ परमेश्वर सँ प्रेम कयलियनि, बल्कि ई, जे ओ अपना सभ सँ प्रेम कयलनि और अपन पुत्र केँ अपना सभक पापक प्रायश्चित्त करऽ वला बलि बना कऽ पठा देलनि।¹¹प्रिय मित्र सभ, जँ परमेश्वर अपना सभ सँ एहन प्रेम कयलनि, तँ अपनो सभ केँ एक-दोसर सँ प्रेम करबाक चाही।¹²परमेश्वर केँ केओ कहियो नहि देखने छनि, मुदा अपना सभ जँ एक-दोसर सँ प्रेम करैत छी तँ ओ अपना सभ मे वास करैत छथि और अपना सभ मे हुनकर प्रेम सिद्ध होइत अछि।

13 अपना सभ हुनका मे रहैत छी और ओ अपना सभ मे, तकर प्रमाण ई भेल जे ओ अपना सभ केँ अपन आत्मा मे सहभागी बना लेने छथि।¹⁴अपना सभ देखने छी और गवाही दैत छी जे पिता अपना पुत्र केँ संसारक उद्धारकर्ताक रूप मे पठाैलनि।¹⁵जँ केओ स्वीकार करैत अछि जे यीशु परमेश्वरक पुत्र छथि, तँ परमेश्वर ओकरा मे रहैत छथि और ओ परमेश्वर मे।¹⁶परमेश्वरक प्रेम जे अपना सभक प्रति छनि, तकरा अपना सभ जानि गेल छी और ताही पर भरोसा करैत छी।

परमेश्वर प्रेम छथि। जे केओ प्रेम मे रहैत अछि से परमेश्वर मे रहैत अछि, और परमेश्वर ओकरा मे।¹⁷अपना सभ मे प्रेम सिद्ध होयबाक उद्देश्य ई अछि जे

अपना सभ न्यायक दिन मे निर्भय रही, और एहि कारण निर्भय रही जे संसार मे अपना सभ तेहन छी जेहन यीशु छथि।¹⁸प्रेम मे डर नहि होइत अछि। सिद्ध प्रेम डर केँ भगा दैत अछि, कारण डर दण्ड सँ सम्बन्धित अछि। जे डेराइत अछि, से प्रेम मे सिद्ध नहि भेल अछि।

19 अपना सभ एहि लेल प्रेम करैत छी जे ओ पहिने अपना सभ सँ प्रेम कयलनि।²⁰जँ केओ कहैत अछि जे, हम परमेश्वर सँ प्रेम करैत छी, जखन कि अपना भाय सँ घृणा करैत अछि, तँ ओ भूठ बाजऽ वला अछि। कारण, जे अपना भाय सँ जकरा ओ देखने छैक प्रेम नहि करैत अछि, से परमेश्वर सँ जिनका ओ नहि देखने छनि कोना प्रेम कऽ सकैत अछि? ²¹और ओ अपना सभ केँ ई आज्ञा देने छथि जे, जे परमेश्वर सँ प्रेम करैत अछि से अपना भाय सँ सेहो प्रेम करय।

परमेश्वरक पुत्र पर विश्वास

5 जे केओ विश्वास करैत अछि जे यीशुए उद्धारकर्ता-मसीह छथि, से परमेश्वरक सन्तान अछि, और जे केओ पिता सँ प्रेम करैत छनि, से हुनकर सन्तानो सँ प्रेम करैत छैक।²अपना सभ जँ परमेश्वर सँ प्रेम करैत छी और हुनकर आज्ञा सभक पालन करैत छी तँ एहि सँ ई जानि सकैत छी जे परमेश्वरक सन्तान सभ सँ प्रेम करैत छी।³परमेश्वर सँ प्रेम कयनाइ ई अछि—हुनकर आज्ञा सभक पालन कयनाइ। हुनकर आज्ञा सभ कठिन नहि अछि,⁴कारण, जे केओ परमेश्वरक सन्तान अछि, से संसार पर विजय प्राप्त कयने अछि। ओ विजय जे संसार केँ पराजित करैत अछि, से अपना सभक

विश्वासे अछि। ⁵संसार पर विजय के प्राप्त कऽ सकैत अछि? खाली वैह जे विश्वास करैत अछि जे यीशु परमेश्वरक पुत्र छथि।

6 यीशु मसीह वैह छथि जे जल और खून द्वारा प्रगट भेलाह। ओ मात्र जले द्वारा नहि, बल्कि जल और खून दूनू द्वारा प्रगट भेलाह। और एकर गवाह पवित्र आत्मा छथि, कारण ओ आत्मा सत्य छथि। ⁷एहि तरहें तीनटा अछि जे गवाही दैत अछि— ⁸परमेश्वरक आत्मा, जल और खून, और तीनू सहमत अछि। ⁹अपना सभ मनुष्यक गवाही मानि लैत छी, तँ परमेश्वरक गवाही ओहि सँ कतेक पैघ अछि, और ई गवाही परमेश्वर स्वयं अपना पुत्रक विषय मे देने छथि। ¹⁰जे केओ परमेश्वरक पुत्र पर विश्वास करैत अछि, तकरा हृदय मे ई गवाही रहैत छैक। जे केओ परमेश्वरक बात नहि मानैत अछि, से हुनका भुट्टा ठहरबैत छनि, कारण ओ ओहि गवाहीक विश्वास नहि कयलक जे परमेश्वर अपना पुत्रक विषय मे देने छथि। ¹¹ओ गवाही ई अछि जे परमेश्वर अपना सभ केँ अनन्त जीवन देने छथि, और ई जीवन हुनकर पुत्र मे भेटैत अछि। ¹²जकरा ककरो मे परमेश्वरक पुत्र छथिन, तकरा मे जीवन छैक, और जकरा ककरो मे परमेश्वरक पुत्र नहि छथिन, तकरा मे जीवन नहि छैक।

13 अहाँ सभ केँ, जे परमेश्वरक पुत्रक नाम पर विश्वास करैत छी, हम ई सभ बात लिखि रहल छी जाहि सँ अहाँ सभ जानी जे अहाँ सभ केँ अनन्त जीवन अछि। ¹⁴अपना सभ परमेश्वरक सामने मे साहस सँ आबि सकैत छी, कारण अपना सभक पूर्ण विश्वास अछि जे,

जँ हुनकर इच्छाक अनुसार किछु मँगैत छियनि तँ ओ अपना सभक प्रार्थना सुनैत छथि। ¹⁵और जँ ई जनैत छी जे ओ अपना सभक प्रार्थना सुनैत छथि, चाहे जे किछु मँगियनि, तँ इहो निश्चय जनैत छी जे, जे किछु हुनका सँ मँगने छी, से अपना सभ केँ प्राप्त भऽ गेल अछि।

16 जँ केओ अपना भाय केँ एहन पाप करैत देखत जकर परिणाम मृत्यु नहि होइक, तँ ओ प्रार्थना करय, और ओ जे पाप कयलक, तकरा परमेश्वर जीवन देथिन। हम तकरे सभक बारे मे कहैत छी जे एहन पाप करैत अछि जकर परिणाम मृत्यु नहि छैक। किएक तँ एहनो पाप होइत अछि जकर परिणाम मृत्यु छैक। हम नहि कहैत छी जे ओहि सम्बन्ध मे प्रार्थना कयल जाय। ¹⁷सभ गलत काज तँ पाप अछि, मुदा एहनो पाप होइत अछि जकर परिणाम मृत्यु नहि छैक।

18 अपना सभ जनैत छी जे, जे केओ परमेश्वर सँ उत्पन्न भेल अछि, से पाप नहि करैत रहैत अछि। परमेश्वरक पुत्र ओकरा सुरक्षित रखैत छथिन, और शैतान ओकरा छुबि नहि सकैत छैक। ¹⁹अपना सभ जनैत छी जे परमेश्वरक सन्तान छी और सौंसे संसार शैतानक वश मे अछि। ²⁰अपना सभ इहो जनैत छी जे परमेश्वरक पुत्र आयल छथि और अपना सभ केँ बुझबाक सामर्थ्य देने छथि जाहि सँ अपना सभ सत्य परमेश्वर केँ चिन्हि सकी। अपना सभ सत्य परमेश्वर मे छी, किएक तँ हुनकर पुत्र यीशु मसीह मे छी। यहै सत्य परमेश्वर और अनन्त जीवन छथि।

21 प्रिय बौआ सभ, अपना केँ भुट्टा-देवता सभ सँ बचा कऽ राखू।